स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स ने प्रेजी सॉफ्टवेयर से बनाया प्रजेंटेशन

प्रजेंटेशन का आइडिया अब सभी विभागों में होगा लागू

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने प्रजेंटेशन के नए आइडिया से सभी विभागों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया है। अब तक विभाग यूजीसी, नैक या अन्य संस्थानों के सामने माइक्रोसॉफ्ट पॉवर पॉइंट से बनाए गए प्रजेंटेशन को दिखाता रहा है, लेकिन अब इसमें बदलाव होने जा रहा है।

स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने प्रेजी सॉफ्टवेयर से प्रजेंटेशन तैयार कर कुलपति सहित अन्य उच्च अधिकारियों को प्रभावित किया है। इससे बनाई जाने वाली स्लाइड इंटरएक्टिव होती है। यह क्लाउड में सेव होती है और जहां भी इंटरनेट उपलब्ध है, वहां इसे ओपन किया जा सकता है। ऐसे में अब प्रजेंटेशन देने के लिए पैन ड्राइव की जरूरत भी खत्म हो गई है। अधिकारियों का कहना है अन्य विभागों में भी इस आधुनिक सॉफ्टवेयर से प्रजेंटेशन बनाया जाएगा।

फाइल फोटो

निरीक्षण के बहाने तकनीक का बेहतर उदाहरण देखने को मिला

यूनिवर्सिटी में नैक टीम निरीक्षण के लिए आने वाली है। इससे पहले यूनिवर्सिटी के अधिकारी विभागों में जाकर इनकी सुविधाओं की जानकारी ले रहे हैं। इसमें ज्यादातर विभागों ने पॉवर पॉइंट सॉफ्टवेयर पर प्रजेंटेशन बनाया, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने प्रजेंटेशन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है। इससे विभाग में प्लेसमेंट की स्थिति, रिसर्च, प्रोफेसर्स प्रोफाइल और अन्य जानकारी को आकर्षक तरीके से पेश किया गया है। यूनिवर्सिटी को विभाग की तैयारी से काफी उम्मीद जगी है। नैक की मुख्य टीम भी नए प्रयोग से प्रभावित हो सकती है। नैक के इंटरनल टीम के संयोजक प्रो. प्रताप बंसल का कहना है कि अन्य विभागों को भी कहेंगे कि सालों से चले आ रहे प्रजेंटेशन के तरीकों में बदलाव किया जाए। विभाग के तरीकों का अपनाना यूनिवर्सिटी के लिए फायदेमंद रहेगा। इसे सभी विभागों को अपनाने के लिए कहेंगे।

आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करने से 100 फीसदी प्लेसमेंट

विभाग के हेड प्रो. अभय कुमार का कहना है इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग लगातार खुद को अपडेट करता रहता है। लिए गए सभी अपडेट सॉफ्ट स्तर उपयोग किए जाते हैं। छात्रों को दुनिया की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी सिखाई जाती है। यही कारण है कि विभाग के 100 फीसदी छात्रों का प्लेसमेंट कंपनियों में हो जाता है। संस्थान की डॉ. कीर्ति पवार भाटी ने बताया कि हमारे पास पहले से स्मार्ट स्क्रीन मौजूद थी। इस बार नए तरीके से नैक के लिए प्रजेंटेशन बनाने का तरीका अपनाया गया है। प्रोफेशनल क्षेत्रों में बेहतर प्रजेंटेशन देने के लिए प्रेजी जैसी सॉफ्टवेयर कारगर साबित हो रहे हैं।